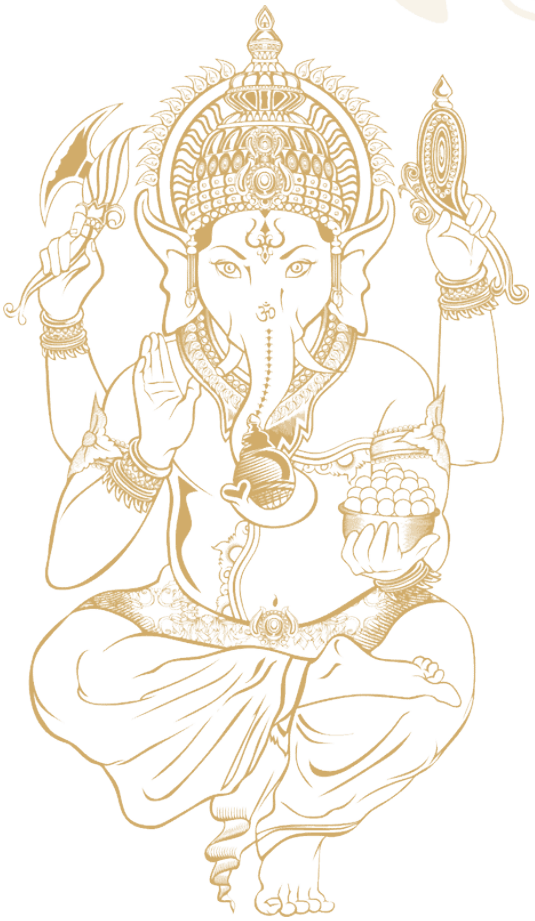

Mr.

01 Nov 1986

06:30 AM

Sitapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119285403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/11/1986**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	00:30:25 घटी
स्थान	**Sitapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:33:00 उत्तर
रेखांश	80:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:22:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	09:02:47 घंटे
सूर्योदय	06:17:49 घंटे
सूर्यास्त	17:23:54 घंटे
दिनमान	11:06:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:38:15 तुला
लग्न के अंश	16:28:42 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:28:42	311:17:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	14:38:15	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			कन्या	28:21:46	14:15:11	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल			मक	19:55:25	00:37:41	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	05:23:11	00:09:58	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	19:23:26	00:01:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व	अ	तुला	21:38:02	00:33:57	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			वृश्चि	14:40:01	00:06:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:13:17	00:00:04	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:13:17	00:00:04	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	26:24:15	00:02:56	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	09:57:59	00:01:28	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:39:47	00:02:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	19:33:27	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:16

लग्न-चलित

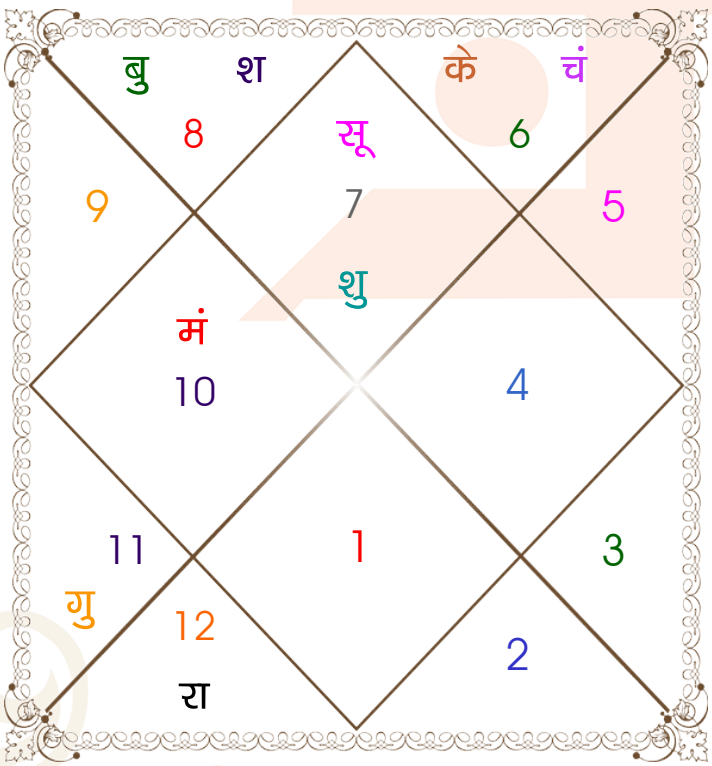

चन्द्र कुंडली

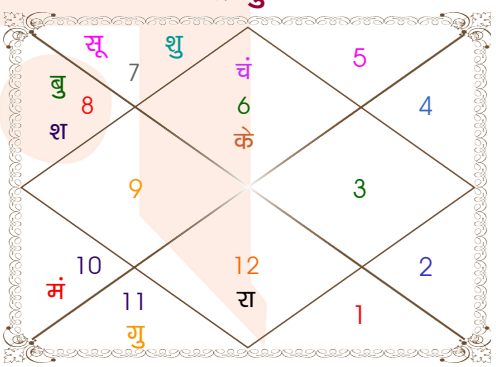

नवमांश कुंडली

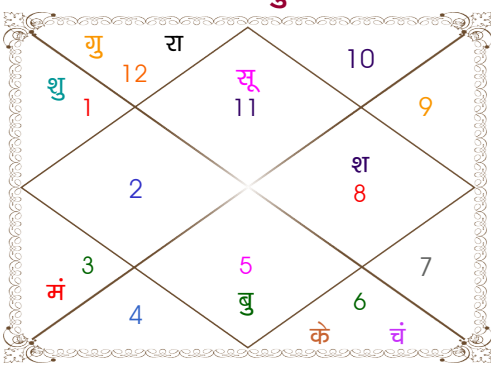

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 4 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/11/1986		12/03/1991		12/03/2009		12/03/2025		11/03/2044	
12/03/1991		12/03/2009		12/03/2025		11/03/2044		12/03/2061	
	00/00/0000	राहु	22/11/1993	गुरु	30/04/2011	शनि	14/03/2028	बुध	08/08/2046
	00/00/0000	गुरु	17/04/1996	शनि	10/11/2013	बुध	23/11/2030	केतु	05/08/2047
	01/11/1986	शनि	22/02/1999	बुध	16/02/2016	केतु	01/01/2032	शुक्र	05/06/2050
शनि	11/09/1987	बुध	10/09/2001	केतु	22/01/2017	शुक्र	03/03/2035	सूर्य	12/04/2051
बुध	07/09/1988	केतु	29/09/2002	शुक्र	23/09/2019	सूर्य	13/02/2036	चंद्र	10/09/2052
केतु	03/02/1989	शुक्र	28/09/2005	सूर्य	11/07/2020	चंद्र	13/09/2037	मंगल	07/09/2053
शुक्र	05/04/1990	सूर्य	23/08/2006	चंद्र	10/11/2021	मंगल	23/10/2038	राहु	27/03/2056
सूर्य	11/08/1990	चंद्र	22/02/2008	मंगल	17/10/2022	राहु	29/08/2041	गुरु	02/07/2058
चंद्र	12/03/1991	मंगल	12/03/2009	राहु	12/03/2025	गुरु	11/03/2044	शनि	12/03/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/03/2061		11/03/2068		11/03/2088		12/03/2094		12/03/2104	
11/03/2068		11/03/2088		12/03/2094		12/03/2104		00/00/0000	
केतु	08/08/2061	शुक्र	12/07/2071	सूर्य	29/06/2088	चंद्र	10/01/2095	मंगल	08/08/2104
शुक्र	08/10/2062	सूर्य	11/07/2072	चंद्र	29/12/2088	मंगल	11/08/2095	राहु	27/08/2105
सूर्य	13/02/2063	चंद्र	12/03/2074	मंगल	05/05/2089	राहु	09/02/2097	गुरु	03/08/2106
चंद्र	14/09/2063	मंगल	12/05/2075	राहु	30/03/2090	गुरु	11/06/2098	शनि	02/11/2106
मंगल	10/02/2064	राहु	12/05/2078	गुरु	16/01/2091	शनि	10/01/2100		00/00/0000
राहु	27/02/2065	गुरु	10/01/2081	शनि	29/12/2091	बुध	12/06/2101		00/00/0000
गुरु	03/02/2066	शनि	11/03/2084	बुध	04/11/2092	केतु	11/01/2102		00/00/0000
शनि	15/03/2067	बुध	10/01/2087	केतु	12/03/2093	शुक्र	12/09/2103		00/00/0000
बुध	11/03/2068	केतु	11/03/2088	शुक्र	12/03/2094	सूर्य	12/03/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 4 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।